भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय), वाराणसी

विषय: "कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने हेतु दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला"

(दिनांक 21-22, दिसंबर 2023)

प्रशिक्षक- श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, सहायक निदेशक,
हिंदी शिक्षण योजना (पुणे), राजभाषा विभाग,
गृह मंत्रालय, भारत सरकार।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय), वाराणसी में "कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने हेतु दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला" का आयोजन दिनांक 21-22, दिसंबर 2023 को एनी बेसेंट व्याख्यान कक्ष संकुल में किया गया। उक्त तकनीकी कार्यशाला के प्रशिक्षक एवं विशेषज्ञ श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय थे। इस दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का उद्घाटन 21 दिसंबर (गुरुवार), 2023 को पूर्वाह्न 10.00 बजे कुलसचिव महोदय श्री राजन श्रीवास्तव की उपस्थिति में पं0 मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। संस्थान के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से प्रशिक्षक महोदय को अंगवस्त्रम एवं स्मृतिचिह्न प्रदान करके स्वागत किया गया। श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा जी ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की तथा यह बताया कि दो दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए भारत सरकार की विभिन्न सॉफ्टवेयर, टूल, योजनाओं एवं एमएस वर्ड पर हिंदी में कार्य, वाइस टाइपिंग की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। संस्थान से कुल पचास अधिकारियों/कर्मचारियों ने सहभागिता की, जिसमें नवनियुक्त सभी कनिष्ठ सहायक उपस्थित थे। कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने हेतु दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का विवरण इस प्रकार है :

1) **<u>प्रथम दिवस (दिनांक 21.12.2023)</u>** –दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला के पहले दिन प्रशिक्षक महोदय ने कंप्यूटर पर हिंदी कुंजीपटल सक्रिय करना, फोनेटिक की-बोर्ड के माध्यम से समस्त 22 भारतीय भाषाओं में टाइपिंग, हिंदी के विभिन्न यूनिकोड फॉन्ट की जानकारी, एमएस वर्ड में अनुवाद कार्य, मोबाइल के माध्यम से कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य, किसी भी डोक्यूमेंट को टेक्स्ट रूप में बदलने की जानकारी दी।

क) <u>कंप्यूटर में इनस्क्रिप्ट कुंजीपटल सक्रिय करना –</u> श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा जी ने बताया कि सभी कंप्यूटर में पहले से ही सभी भाषाओं के कुंजीपटल मौजूद होते हैं, केवल इसे सक्रिय करने की आवश्यकता होती है। जो भाषा उपलब्ध न हों, उसे माइक्रोसॉफ्ट के bhashaindia.com से इनस्टाल करके निम्नलिखित माध्यम से सक्रिय किया जा सकता है -

Start- Setting- Time & Language- Language- Add a Language

डेस्कटॉप पर **OSK (On Screen Keyboard)** के माध्यम से हम सीधे स्क्रीन पर की-बोर्ड का प्रयोग करके 22 भारतीय भाषाओं में टाइप कर सकते है, जिसके लिए उस भाषा के की-बोर्ड को सक्रिय करना होगा। कंप्यूटर में कुल पाँच यूनिकोड हिंदी फॉन्ट जैसे - मंगल, उत्साह, कोकिला, एरियल, अपराजिता हैं, जिसमें टाइप करने पर ये सभी जगह सपोर्ट करते हैं। प्रोजेक्टर के माध्यम से इसका अभ्यास भी करवाया गया।

ख) <u>एमएस वर्ड में अनुवाद कार्य व बोलकर टाइप करना –</u> एमएस वर्ड में अनुवाद का फीचर बहुत पहले से मौजूद है। इसके लिए निम्नलिखित प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी दोनों में अनुवाद कर सकते हैं।

कृ.पृ.उ.

Review- Translate- Translate Document

वहीं बोलकर टाइप करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाएंगें-

Start- Settings- Privacy & Security- Speech on

Windows + H (Press) - Microphone On

ग) <u>मोबाइल के माध्यम से कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य –</u> प्रशिक्षक महोदय ने मोबाइल के माध्यम से ऑफिस के कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने की जानकारी दी। इसके लिए मोबाइल में Play Store से G-board की-बोर्ड इनस्टाल करना होगा। तत्पश्चात मोबाइल में ई-मेल लॉगिन करके Google docs खोलेंगे। इसमें टाइप करने वाले विषय-वस्तु का एक फाइल बनाकर वाइस टाइपिंग के विकल्प का चयन करके हिंदी में टाइप कर सकते हैं जो सीधे हमारे ऑफिस के सिस्टम पर टाइप होगा। इसके अलावा किसी भी दस्तावेज को टेक्स्ट रूप में बदलने के लिए गूगल के लेंस फीचर का प्रयोग करेंगे। जिसमें अपेक्षित दस्तावेज को अपलोड करे बिना किसी स्कैनर के प्रयोग से टेक्स्ट रूप में प्राप्त कर सकते हैं।

2) **द्वितीय दिवस (दिनांक 22.12.2023)** – दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला के दूसरे दिन सहायक निदेशक महोदय ने भारत सरकार के विभिन्न एप्लिकेशन टूल जैसे – लीला (LILA), हिंदी शब्द सिंधु, कंठस्थ 2.0 (अनुवाद सारथी), राजभाषा अधिनियम/नियम (1963, 1976), संवैधानिक प्रावधान की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

क) <u>लीला (LILA)- Learn Indian Language Through Artificial Intelligence –</u> राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय एवं सी-डैक, पुणे के माध्यम से विकसित लीला एप्लिकेशन हिन्दी सीखने के लिए एक स्वयं शिक्षण पैकेज है। इसे प्ले–स्टोर पर Lila Rajbhasha के नाम से डाउनलोड किया जाता है। जिसमें प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ तीन शिक्षण पैकेज है। इस एप के माध्यम से प्राथमिक स्तर से माध्यमिक स्तर तक के हिन्दी का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

ख) <u>हिंदी शब्द सिंधु : संस्करण 2 (हिंदी शब्दकोश) –</u> हिंदी शब्द सिंधु एक बृहत् शब्दकोश है, जिसमें आयुर्वेद, खेलकूद, अन्तरिक्ष, विज्ञान, मानविकी के शब्द समाहित हैं। इसमें हिंदी एवं इसकी उप भाषाएँ तथा अन्य भारतीय भाषाओं के शब्द भी समाविष्ट है। यह पूर्णतया डिजिटल है।

ग) <u>कंठस्थ 2.0 (अनुवाद सारथी) –</u> ट्रांसलेशन स्मृति पर आधारित यह सिस्टम राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा विकसित है । इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है । ट्रांलेशन मेमोरी वस्तुतः एक डेटाबेस है, जिसमें स्रोत भाषा (source language) के वाक्यों एवं लक्षित भाषा (Target language) में वाक्यों के अनुवादित रूप को एक साथ रखा जाता है। यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डेटाबेस से पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी.एम. से लाता है।

संस्थान के कुलसचिव महोदय ने श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा जी को प्रशिक्षक के रूप में संस्थान का आमंत्रण स्वीकार करने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की और यह कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से निश्चय ही सभी सहभागी पूर्णतः लाभान्वित हुए हैं। इससे संस्थान में हिन्दी के काम-काज में और प्रगति देखने को मिलेगी। संस्थान की मेजर निशा बलोरिया (सेवा.) उप कुलसचिव (राजभाषा) ने धन्यवाद ज्ञापन किया एवं राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से प्रशिक्षक के रूप में आए श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा जी को संस्थान के कर्मचारियों को दो दिन का तकनीकी प्रशिक्षण देने के लिए विशेष धन्यवाद दिया। उक्त दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के श्री शशांक पाठक, हिंदी अनुवादक ने किया।

****